भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1823
बुधवार, 29 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

जम्मू और कश्मीर में अनुसंधान परियोजनाएं

1823. श्री जुगल किशोर:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए जम्मू और कश्मीर सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाएं संचाालित कर रही है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन परियोजनाओं के लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) हाइड्रोलॉजी और क्रायोस्फीयर कार्यक्रम के अंतर्गत, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने वर्ष 2022 में कश्मीर विश्वविद्यालय और आईआईटी रुड़की को संयुक्त रूप से "पृथ्वी प्रेक्षण डेटा और मॉडलिंग का प्रयोग करके भारतीय हिमालय के विषम स्थलाकृतिक और जलवायु क्षेत्रों पर वर्तमान और भविष्य के जीएलओएफ जोखिम की पहचान किया जाना" नामक परियोजना के लिए संस्वीकृति दी, जिसकी कुल लागत 91.2 लाख रुपये थी।

(ख) प्रस्तावित अध्ययन का उद्देश्य यह है कि विभिन्न समय पैमानों पर हिमनद झीलों की जांच-पड़ताल करने के लिए एक व्यापक पद्धतिगत कार्यप्रणाली विकसित और कार्यान्वित की जाए, और साथ ही भारतीय हिमालयी क्षेत्र (आईएचआर) में विषम जलवायु, भू-आकृति और स्थलाकृतिक क्षेत्रों में भौतिक आधारित मॉडल का उपयोग करके उनकी खतरे की क्षमता का आकलन किया जाए। इससे झील सृजन, और निचले क्षेत्रों में मानव आबादी और अवसंरचना पर उसके जोखिम और संबंधित खतरों की समझ और पूर्वानुमान में सुधार होगा।

(ग) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने पिछले 3 वर्षों में कुल 62.03 लाख रुपये की राशि जारी की है।

*****